सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 07 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 8 फरवरी, 2024
मूल्य ₹ 3/-

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
-अशोक

बुमराह ने रचा इतिहास, टेस्ट में बने... 7 | यूपी में बीजपी को पटखनी देने... 3 | बेरोजगारी 45 सालों में सबसे... 2

मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस लाई 'ब्लैक पेपर'

खरगे बोले- लोकतंत्र को खत्म कर रही है बीजेपी

» भाजपा सरकार के 10 साल में युवाओं, महिलाओं, किसानों और श्रमिकों पर हुए अन्याय का उठाया मुद्दा

» प्रधानमंत्री मोदी ने ब्लैक पेपर को बताया 'काला टीका'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की संसद में आजकल बजट सत्र चल रहा है। ये मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम सत्र है, क्योंकि इसके अगले 100 से भी कम दिनों में देश में फिर से लोकसभा चुनाव होने हैं। वैसे तो संसद का बजट सत्र 9 फरवरी को ही समाप्त होना था, लेकिन अब बजट सत्र को एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। इसके पीछे कारण मोदी सरकार द्वारा यूपीए सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन पर श्वेत पत्र लाने की योजना को बताया जा रहा है। लेकिन मोदी सरकार यूपीए के खिलाफ श्वेत पत्र लाए, उससे पहले कांग्रेस ने आज मोदी सरकार के खिलाफ 'ब्लैक पेपर' जारी कर दिया है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार के खिलाफ 'ब्लैक पेपर' जारी करते हुए कहा कि ये ब्लैक पेपर मोदी सरकार के 10 साल में युवाओं, महिलाओं, किसानों और श्रमिकों पर हुए अन्याय से जुड़ा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि हम आज केंद्र सरकार के खिलाफ ब्लैक पेपर निकाल रहे हैं, क्योंकि वे हमेशा सदन में अपनी कामयाबी की बात रखते हैं और अपनी विफलता छुपाते हैं और जब हम उनकी विफलता बताते हैं तब हमें महत्व नहीं दिया जाता है। इस ब्लैक पेपर में हमारा मुख्य मुद्दा बेरोजगारी है जो देश का सबसे बड़ा मुद्दा है और बीजेपी इस बारे में कभी बात नहीं करती।

10 सालों में 411 विधायकों को बीजेपी ने अपने पाले में किया : खरगे

कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के 10 साल के खिलाफ केंद्र सरकार की ओर से लाए जाने वाले 'श्वेत पत्र' का जवाब में ब्लैक पेपर जारी करते हुए खरगे ने कहा कि केरल, कर्नाटक, तेलंगाना जैसे गैर-बीजेपी राज्यों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसलिए हमें यह कदम उठाना पड़ा है। देश में लोकतंत्र को खतरा है। बीते 10 साल में 411 विधायकों को भाजपा ने अपने पाले में कर लिया है। उन्होंने कांग्रेस की कई सरकारें गिरा दीं। वे लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं। इससे पहले संसद के वर्तमान बजट सत्र को एक दिन बढ़ाकर 10 फरवरी तक कर दिया गया।

मेहुल चोकसी के पेपर भी सदन में लाए सरकार : अधीर

इस बीच कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने मोदी सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार 'व्हाइट पेपर' लेकर आए, हमें कोई हर्ज नहीं है। लेकिन मेहुल चोकसी के पेपर भी सदन में लाने चाहिए। क्यों तुम्हारी सरकार में बैंकों को लूटा जाता है? जो लोग बैंक को लूटकर विदेश में भाग जाते हैं, उनके साथ आपका क्या संबंध है?

सरकार के कामों को नजर न लगे इसलिए कांग्रेस लाई 'ब्लैक पेपर': मोदी

कांग्रेस के ब्लैक पेपर पर पीएम मोदी ने कहा कि काले टीके से प्रगति को नजर नहीं लगती है और आज काला टीका लगाने का प्रयास हुआ। पीएम मोदी ने कहा, काले कपड़ों में सदन को फैशन शो देखने का भी मौका मिला। उन्होंने कहा कि हमारे यहां कुछ अच्छी चीज कर लेते हैं तो परिवार में एक स्वजन ऐसा भी आ जाता है जो कहता है कि अरे नजर लग जाएगी काला टीका लगा देता हूं। पिछले 10 वर्षों में जो काम हुए हैं उसको किसकी नजर ना लग जाए इसलिए आज खड़गे जी काला टीका लगाकर आए हैं।

मोदी ने की मनमोहन सिंह की तारीफ

राज्यसभा में आज कई सांसदों का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है। इन सांसदों में देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का भी नाम शामिल है। ऐसे में सांसदों के विदाई समारोह कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह की काफी तारीफ की। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है कि जब वोटिंग के दौरान, ये स्पष्ट था कि सत्ताधारी बेंच जीतेगी, लेकिन फिर भी मनमोहन सिंह व्हीलचेयर पर सदन में आए और अपना वोट दिया। यह एक सदस्य की अपने कर्तव्य के प्रति जिम्मेदारी का उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सवाल ये नहीं है कि वो किस को ताकत देने आए थे। मैं मानता हूं वो लोकतंत्र को ताकत देने आए थे।

केन्द्र सरकार के खिलाफ किसानों का हल्लाबोल

» अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे किसान

» नोएडा से दिल्ली किया कूच, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

» किसानों का आरोप- एनटीपीसी के मुआवजे में एक नीति नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों से पहले देश के अन्नदाता किसान एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। मोदी सरकार से अपनी मांगों को लेकर किसानों ने हल्लाबोल दिया है। उत्तर प्रदेश के नोएडा और ग्रेटर नोएडा के किसानों ने संसद घेराव के लिए आज दिल्ली के लिए कूच शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस की कोशिश है कि वह उन्हें रोक सके।

किसानों ने स्पष्ट कहा है कि वह संसद का घेराव करेंगे। किसान, मुआवजा-नौकरी सहित कई मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान चप्पे-चप्पे पर कड़ा पहरा। चिल्ला बॉर्डर पर जाम के हालात हैं। किसान संगठन अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आज दिल्ली कूच कर रहे हैं। सभी किसान आज दोपहर 1 बजे महामाया फ्लाईओवर पर इकट्ठा कर चिल्ला बॉर्डर की तरफ पैदल मार्च करते हुए और अपने ट्रैक्टर ट्राली के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इसके चलते नोएडा से लेकर चिल्ला बॉर्डर तक जगह जगह ट्रैफिक जाम है।

किसानों ने मोदी सरकार पर लगाए आरोप

किसानों का आरोप है कि एनटीपीसी ने अलग-अलग किसानों को समान मुआवजे की जगह अलग-अलग मुआवजा दिया गया। वहीं, 81 गांव के किसान नोएडा अथॉरिटी के खिलाफ धरना दे रहे हैं। किसानों की मांग है कि 10प्रतिशत प्लॉट नोएडा प्राधिकरण ने अपने नाम कर लिया है उसे वापस दे। किसानों के आरोप हैं कि एनटीपीसी के मुआवजे में एक नीति नहीं है, एनटीपीसी का अलग-अलग रेट पर मुआवजा किया जा रहा है। मोदी सरकार ने नौकरी देने का वादा पूरा नहीं किया, नोएडा अथॉरिटी ने 10 प्रतिशत प्लॉट वापस लिए और अंसल बिल्डर ने किसानों को मुआवजा नहीं दिया। वहीं अब किसान मांग कर रहे हैं कि लिखित समझौते को लागू किया जाए।

यूपी भ्रष्टाचार में नंबर वन : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- प्रदेश में लगातार बढ़ रही महंगाई-बेरोजगारी

» पूछा- यूपी मेक इन इंडिया में सबसे आगे क्यों नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी के मुखिया और प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा। सपा प्रमुख ने कहा कि यूपी में अब जितना भ्रष्टाचार है उतना कभी नहीं रहा। अयोध्या में जमीनों की खरीद में जमकर भ्रष्टाचार हुआ। ये भ्रष्टाचार सरकार के संरक्षण में हुआ है। यूपी में इस समय जितना भ्रष्टाचार है उतना कभी नहीं रहा। थाने और तहसीलों में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति जीरो हो गई है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर सपा मुखिया ने कहा कि राज्यपाल का सदन में दिया गया अभिभाषण एक सरकारी दस्तावेज है। जो सरकार चाहती है अभिभाषण में वही बातें होती हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यूपी सबसे ज्यादा कार्यवाहक डीजीपी बनाने में नंबर एक है। झूठे प्रचार पर खर्च करने में यूपी नंबर एक है। बेरोजगारों पर लाठी चलवाने में नंबर वन है। महिलाओं के खिलाफ अपराधियों को बचाने में यूपी नंबर वन है। यूपी दलितों-पिछड़ों के उत्पीड़न में नंबर वन है। केंद्र व राज्य की टकराहट में नंबर वन है। यूपी आज पीडीए (पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यकों) को प्रताड़ित करने में नंबर वन है। यही सच्चाई है। अखिलेश यादव ने कहा कि अग्निवीर योजना लागू होने से सर्वाधिक नुकसान यूपी के नौजवानों का हुआ है। पहले फौज में 70 हजार युवाओं की भर्ती होती थी पर अब नहीं होती है। सेना में भर्ती नौजवानों को वेतन, पेंशन और मेडिकल सुविधाएं मिलती थीं पर अग्निवीर योजना में चार साल की नौकरी के बाद उन्हें निकाल दिया जाएगा।

किसानों पर खजाना खर्च करने में सरकार को क्या दिक्कत

अखिलेश यादव ने कहा कि एयरपोर्ट बनाने के लिए किसानों से जमीन ली जा रही है पर उसका सही मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। सरकार चित्रकूट में डिफेंस एक्सपो बनाने जा रही है लेकिन किसानों को पुराने रेट पर मुआवजा दे रहे हैं। सपा सरकार में चार गुना मुआवजा दिया गया था। उन्होंने सवाल किया कि आखिर किसानों पर खजाना खर्च करने में सरकार को क्या दिक्कत है? अयोध्या में एयरपोर्ट बनाने के लिए ली गई जमीन का मुआवजा नहीं दिया गया। लोगों ने सरयू में खड़े होकर जनेऊ की कसम खाई थी कि भाजपा को वोट नहीं देंगे। अखिलेश ने कहा कि यूपी में 40 लाख करोड़ के एमओयू साइन करने की बात कही जाती है और कहा जाता है कि इससे एक करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। जो उद्योगपति यहां आते हैं वही दूसरे प्रदेशों में जाकर कहते हैं कि सबसे पहले दूसरे प्रदेशों में निवेश करेंगे। उन्होंने पूछा कि सरकार उद्योगपतियों को इंसेंटिव क्यों नहीं दे पा रही है। कहा गया है कि तमिलनाडु मेक इन इंडिया में सबसे आगे है। यूपी मेक इन इंडिया में सबसे आगे क्यों नहीं है?

महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराध

योगी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया ने कहा कि सरकार विकास के दावे कर रही है, पर प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी को कम करने के लिए क्या किया जा रहा है ये नहीं बता रही है। अगर प्रदेश में इतना निवेश आ रहा है तो नौकरियां क्यों नहीं मिल रही हैं? महंगाई बढ़ रही है। खाने-पीने के दामों में बढ़त हुई है। लोगों के पास रोजगार नहीं हैं। नौकरियां मिल नहीं रही हैं और सरकार वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का सपना दिखा रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए अखिलेश ने कहा कि अब लोग 112 पर कॉल करने से डरते हैं कि उनसे वसूली की जाएगी। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के सबसे तेज रिस्पांस सिस्टम को बर्बाद कर दिया गया। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। प्रदेश में लॉ अलग है ऑर्डर अलग है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है। सब कुछ प्राइवेट किया जा रहा है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेज मानक के अनुसार नहीं चल रहे हैं। वहां पर नियुक्तियां पूरी नहीं हुई हैं।

जब किसान एनडीए के समर्थन में हैं, तो किसान नेता कहां जाएंगे : निषाद

» जयंत चौधरी के राजग में शामिल होने की खबरों पर बोले योगी सरकार के मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के एनडीए में शामिल होने की खबरों पर यूपी के मंत्री और निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद ने कहा कि जब किसान एनडीए के समर्थन में आ रहे हैं, तो किसान नेता कहां जाएंगे? सभी किसान अंततः हमारे साथ आएंगे। जयंत चौधरी का स्वागत है। वहीं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा-एनडीए में सभी का स्वागत है। इसके साथ ही आगामी चुनाव में उत्तर प्रदेश में 80 में से 80 सीटें जीतने का भी दावा किया।

बता दें कि रालोद के भाजपा के साथ जाने की खबरों ने आइएनडीआइए के कान खड़े कर दिए हैं। रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की मान-मनौवल शुरू हो गई है। कल तक रालोद के सामने शर्तें रखने वाले सपा मुखिया अखिलेश यादव भी नरम पड़ते दिख रहे हैं। कांग्रेस रणनीतिकारों के भी दिल्ली में जयंत चौधरी से संपर्क करने की बात सामने आ रही है। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान अभी तक रालोद की ओर से कोई बयान नहीं आया है। जयंत फिलहाल चुप्पी साधे हैं और हर कदम सोच-समझकर चलते दिख रहे हैं।

सपा का धरातल पर कुछ नहीं बचा, 24 में हो जाएगा फाइनल

» राजभर बोले- 2027 में बचेगी ही नहीं सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग सदन में हल्ला करते हैं, उनका धरातल पर कुछ बचा नहीं है। 2024 के चुनाव में इनका सब फाइनल हो जाएगा। सपा सदस्यों द्वारा उनको मंत्री नहीं बनाए जाने पर टीका-टिप्पणी पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि मेरी चिंता मत कीजिए। आप 2027 में बचेंगे कि नहीं, इसकी चिंता करिए।

शायराना अंदाज में बोलते हुए राजभर ने कहा, अच्छे ने अच्छा बुरे ने बुरा कहा मुझे, जिसे जितनी जरूरत थी, उतना पहचाना मुझे। इस दौरान राजभर ने सरकार से सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करने और बंजारा समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग की।

असाध्य रोग के लिए मदद की अनिवार्यता हो समाप्त: राजा भैया

वहीं लोकतांत्रिक जनसत्ता दल के रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने कहा कि दलालों के माध्यम से ज्यादा बिल कम किया जा रहा है। इसका स्थायी निदान होना चाहिए। उन्होंने विधायक निधि से इलाज के लिए दी जाने वाली राशि की अनुमति दस दिन में देने की मांग की। साथ ही असाध्य रोग के लिए मदद की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की। कहा कि किसानों को खेतों की फेंसिंग के लिए ब्याज मुक्त ऋण की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिपक्ष भी राम को अपना बताने से नहीं चूक रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री से श्रीराम मंदिर में गोस्वामी तुलसीदास की प्रतिमा अरुण योगीराज से बनवा कर लगाने की मांग की।

नेता प्रतिपक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी से मांगा जवाब, पूछा- बेरोजगारी 45 सालों में सबसे ज्यादा क्यों

» बोले- एनडीए सरकार का मतलब नो डाटा एवलेवल सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कई सारे आरोप लगाए। अब कांग्रेस की ओर से भी उन आरोपों पर पलटवार किया है और पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला गया है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तथ्यों से छेड़छाड़ कर यूपीए सरकार पर अनर्गल टीका-टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि बेरोजगारी से लेकर आर्थिक विकास दर और महंगाई से लेकर आयात-निर्यात संतुलन जैसे हर मोर्चे पर भाजपा सरकार कमजोर साबित हुई है।

राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दोनों सदनों में राष्ट्रपति अभिभाषण पर जवाब के दौरान पीएम की ओर से किए बेहद तीखे हमले पर पलटवार करते हुए कहा कि पीएम ने अनगिनत झूठ के सहारे यूपीए और कांग्रेस को कोसा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने बयान जारी कर कहा कि पीएम मोदी को इसका जवाब देना चाहिए कि यूपीए सरकार के समय बेरोजगारी दर 2.2 प्रतिशत थी मगर उनके कार्यकाल में यह 45 सालों में सबसे ज्यादा क्यों है? यूपीए के 10 सालों के दौरान जीडीपी विकास दर औसतन 8.13 रही तो उनके शासन में केवल 5.6 प्रतिशत क्यों? खरगे ने कहा कि वर्ल्ड बैंक की मानें तो 2011 में ही भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। हमने 10 साल में 14 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला।

झूठ फैलाना मोदी की गारंटी है

खरगे ने कहा कि मोदी 10 सालों से शासन में हैं मगर अपनी बात करने की बजाय केवल कांग्रेस को कोसते रहे और महंगाई, रोजगार, आर्थिक समानता की कोई बात नहीं की। असल वजह है कि इस सरकार के पास कोई डाटा नहीं है। एनडीए का मतलब ही नो डाटा एवलेवल सरकार है। जनगणना आर्थिक सर्वेक्षण नहीं हुआ, रोजगार, स्वास्थ्य सर्वेक्षण का डाटा नहीं और सरकार सारे आंकड़े छिपा कर झूठ फैलाती है। खरगे ने पीएम की गारंटी पर सियासी तंज कसते हुए कहा कि झूठ फैलाना ही मोदी की गारंटी है। मोदी सरकार की नीतियों पर प्रहार करते हुए खरगे ने कहा कि सरकारी कंपनियों को लेकर वह बेचो और लूटो की नीति अपना रही है। अप्रैल 2022 तक 147 सार्वजनिक उपक्रमों को पूरा या आधा बेच दिया गया। सरकारी नौकरियों की भर्ती ठप है और सरकार में 30 लाख पद खाली पड़े है जिसमें एससी-एसटी और ओबीसी के सबसे अधिक पद रिक्त हैं।

कांग्रेस शासन में विकास से वंचित रही अमेठी : ईरानी

» बोलीं- मोदी के सत्ता में आने के बाद शुरू हुआ क्षेत्र का विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री व अमेठी से सांसद स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। ईरानी ने कहा कि 48 सालों तक उत्तर प्रदेश की अमेठी विकास से वंचित रही, जबकि लोकसभा में इसका प्रतिनिधित्व गांधी परिवार के लोग करते रहे थे। लोकसभा में बजट सत्र के दौरान हुई चर्चा में स्मृति ईरानी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता में आने के बाद ही इस संसदीय क्षेत्र का विकास होना शुरू हुआ।

ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में अमेठी से कांग्रेस नेता को हराया था। इस संसदीय क्षेत्र का राहुल गांधी से पहले राजीव गांधी और सोनिया गांधी भी कर चुके हैं।

कांग्रेस ने मेनका गांधी का किया अपमान

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अमेठी में गांधी परिवार को चुनौती देने वालों के प्रति कांग्रेस की असहिष्णुता इतनी अधिक थी कि यहां महात्मा गांधी के पोते राजमोहन गांधी को भी 1989 में लोकसभा चुनाव लड़ने पर अपमानित कर पत्थरों से मारा गया था। ईरानी ने कहा कि राजमोहन गांधी ने गांधी परिवार के खिलाफ चुनाव लड़ा था और उन्हें गांधी परिवार के खिलाफ लड़ने के लिए नकली गांधी बुलाया गया था। मेनका गांधी और शरद यादव को भी अपमानित किया गया था। शरद यादव से कहा गया कि वह जाकर गाय चराएं।

यूपी में बीजपी को पटखनी देने की तैयारी

कांग्रेस कह रही अभी सीटों पर बातचीत जारी

» सपा ने उतारे प्रत्याशी, पीडीए पा नजर

» कांग्रेस, बसपा ने भी कसी कमर

» रालोद व अन्य दल भी सजग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी में इंडिया गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ऐसी बातें हो रही है कि यूपी में भी गठबंधन का हाल बंगाल सरीखा हो सकता है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि भाजपा और रालोद के बीच खिचड़ी पक रही है। कांग्रेस भी बसपा के साथ पींगे बढ़ाने की जुगत में है। गठबंधन के तहत सात लोकसभा सीटें मिलने के बावजूद सत्ता के समीकरण के लिए रालोद पलटी मार सकता है। पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन के अहम घटक सीपीआई (एम) ने पहले ही अलग राह पकड़ ली है। अब तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने भी कांग्रेस के प्रति कड़ा रुख अपना लिया है।

पार्टी के कुछ नेताओं ने राहुल गांधी की न्याय यात्रा को अन्याय यात्रा तक करार दे दिया है। यूपी में भी इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच भितरखाने गंभीर किस्म के रणनीतिक दांवपेंच चल रहे हैं। सपा ने कांग्रेस को गठबंधन के तहत 11 सीटें दी हैं। इनकी आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार ये सीटें बलिया, फतेहपुर सीकरी, रामपुर, महराजगंज, बाराबंकी, सुल्तानपुर, कानपुर, मेरठ, सहारनपुर, भदोही और बहराइच हो सकती हैं। इसके अलावा अमेठी और रायबरेली में सपा पहले से ही प्रत्याशी नहीं उतारती रही है। इस तरह से अभी तक सपा की ओर से कांग्रेस के लिए कुल 13 सीटों की पेशकश की गई है।

हालांकि, कांग्रेस के बड़े नेता लगातार कह रहे हैं कि बातचीत के नतीजों ने अभी अंतिम आकार नहीं लिया है। सपा और कांग्रेस दोनों के ही प्रमुख नेताओं के मुताबिक, दोनों पार्टियों के बीच रिश्ते सहज नहीं चल रहे हैं। कांग्रेस को सीटें देने से पहले प्रत्याशी के नाम बताने की शर्त भी पसंद नहीं आ रही है। कांग्रेस का कहना है कि उनके यहां किसी प्रत्याशी का नाम एक निश्चित प्रक्रिया के तहत तय किया जाता है। उस प्रक्रिया को अपनाये बिना नाम नहीं दिया जा सकता। फिर सपा ने फर्रुखाबाद जैसी लोकसभा सीट पर भी प्रत्याशी उतार दिया है, जहां से बातचीत की प्रक्रिया में शामिल पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद टिकट के दावेदार हैं। इसी तरह से लखीमपुर खीरी में भी उसके दावे पर विचार नहीं किया। कांग्रेस ने अपनी पहली वरीयता वाली 26 सीटों के नाम बातचीत के दौरान दिए थे, इन सब सीटों पर स्थिति स्पष्ट किए बिना सीटों की घोषणा कांग्रेस नेतृत्व को रास नहीं आ रही है। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस की बसपा से दो स्तरीय बातचीत फिर से शुरू हुई है। इसका कोई भी नतीजा लोकसभा चुनाव के ऐन वक्त पर ही सामने आएगा। दूसरी ओर, राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि रालोद और भाजपा के बीच बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है। उचित प्लेटफार्म पर समझौते की शर्तों का उल्लेख हो चुका है। बस अब इसके नतीजे आधिकारिक रूप से सार्वजनिक होने का इंतजार है।

ओबीसी के साथ दलितों को साधने की कोशिश

राजाराम पाल 2004 में अकबरपुर से बसपा और 2009 में कांग्रेस के टिकट पर सांसद चुने गए। उनके जरिये ओबीसी के साथ-साथ दलितों को भी साधने की बात दिमाग में रही होगी।बांदा लोकसभा सीट पर हमेशा ही ब्राह्मण और पटेल जाति के मतदाताओं का दबदबा रहा है। इसलिए चुनाव में पार्टियां इन्हीं दो जातियों पर दांव लगाती रही हैं। शिव शंकर सिंह पटेल का टिकट इसी रणनीति का हिस्सा है।

अयोध्या में समान्य सीट पर सपा ने उतारा दलित प्रत्याशी

फैजाबाद (अयोध्या) से दलित प्रत्याशी के रूप में अवधेश प्रसाद को उतारकर सपा ने खास संदेश देने का काम किया है। भाजपा सरकार ने एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम रखकर दलितों में पैठ बढ़ाने का काम किया तो सामान्य सीट पर दलित प्रत्याशी को उतारकर सपा ने भी अपनी रणनीति का प्रदर्शन किया है। सपा को उम्मीद है कि अवधेश प्रसाद के अनुभव का फायदा भी मिलेगा। बसपा सांसद रितेश पांडेय के पिता व पूर्व सांसद राकेश पांडेय विधानसभा चुनाव से पहले सपा में आ गए थे। रितेश पांडेय की अखिलेश यादव से मुलाकात काफी चर्चा में रही। इससे माना जा रहा था कि इस परिवार को अम्बेडकरनगर से टिकट मिल सकता है, पर सपा ने बसपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे लालजी वर्मा को उतारकर चौंका दिया है। दलित, ओबीसी व मुस्लिम समीकरण के चलते सपा के रणनीतिकार लालजी वर्मा को मजबूत प्रत्याशी मान रहे हैं।

उन्नाव में अन्नू ने पाला बदला

तीन साल पहले कांग्रेस से इस्तीफा देकर सपा की सदस्यता ग्रहण करने वाली अनु टंडन उन्नाव से फिर भाग्य आजमाएंगी। अन्नु टंडन 2009 में उन्नाव से सांसद रही हैं। 2019 के चुनाव में वे तीसरे स्थान पर रही थीं। अन्नु टंडन के साथ सामान्य वर्ग का वोट जुड़ने की रणनीति के तहत उन्हें उतारा गया है। अभिनेत्री काजल निषाद ने 2012 का चुनाव कांग्रेस के टिकट पर गोरखपुर ग्रामीण क्षेत्र से लड़ा था, लेकिन हार गई थीं। 2021 में वह सपा में शामिल हुई थीं। वह तभी से क्षेत्र में सक्रिय हैं। वर्ष 2018 में गोरखपुर उपचुनाव में सपा प्रत्याशी प्रवीण निषाद ने यहां जीत दर्ज की थी। उसी समीकरण को तरजीह देते हुए यहां से काजल निषाद को मौका दिया गया है।

सपा ने प्रत्याश घोषित कर चली चुनावी चाल

लोकसभा चुनाव 2024 में पिछड़ों में यादवों के बाद सबसे बड़ी आबादी वाले कुर्मी समाज को अपने पाले में लाने और बनाए रखने की लामबंदी तेज हो गई है। भाजपा ने यूपी में अपना दल से गठबंधन के बावजूद पड़ोसी राज्य बिहार में नीतीश कुमार से भी गठबंधन कर लिया। तो सपा ने बिना देर किए सबसे तेज पहल करते हुए 16 प्रत्याशी उतारे, जिनमें सबसे ज्यादा चार कुर्मी शामिल किए हैं। उत्तर प्रदेश में पिछड़ी जातियों में यादव समाज के बाद सर्वाधिक आबादी कुर्मी समाज की मानी जाती है। माना जाता है कि पिछड़ी जातियों में कुर्मी करीब आठ फीसदी हैं। प्रदेश में लोकसभा की करीब 35 सीटों को कुर्मी मतदाता प्रभावित करते हैं। वहीं 25 से अधिक ऐसी सीटें हैं जहां से कभी न कभी कुर्मी सांसद निर्वाचित हुए हैं। मौजूदा समय में 41 कुर्मी विधायक हैं। इनमें से 27 भाजपा से हैं, 13 समाजवादी पार्टी और एक कांग्रेस से हैं। पांच विधान परिषद सदस्य भी कुर्मी हैं। 80 में से आठ सांसद भी कुर्मी समाज से हैं। योगी सरकार में तीन कैबिनेट और एक राज्यमंत्री कुर्मी समाज से ही हैं। सपा ने लोकसभा चुनाव के लिए 16 प्रत्याशियों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है।

रालोद के इंडिया से अलग होने की अफवाह फैला रही भाजपा

रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे का कहना है कि रालोद अपने सिद्धांतों पर अडिग है। इंडिया गठबंधन में शामिल है, जिसके तहत 1-2 और सीटें दिए जाने पर विचार चल रहा है। शीघ्र ही रालोद को दी जाने वाली सीटों को चिह्नित भी कर लिया जाएगा। भाजपा इंडिया गठबंधन से डरी हुई है, इसलिए रालोद के इंडिया गठबंधन से अलग होने की अफवाह फैला रही है।

इसमें डिंपल यादव समेत तीन प्रत्याशी परिवार के हैं, जबकि चार कुर्मी और एक मुस्लिम प्रत्याशी हैं। सांसद डिंपल यादव को फिर से मैनपुरी और शफीकुर्रहमान बर्क को संभल से प्रत्याशी बनाया गया है। फैजाबाद अनारक्षित सीट हैं, पर यहां से पूर्व मंत्री व नौ बार के विधायक अनुसूचित जाति के अवधेश प्रसाद को उतारा गया है। क्षत्रिय एक और मौर्य व खत्री दो-दो प्रत्याशी हैं। पूर्व सांसद अक्षय यादव को फिरोजाबाद और धर्मेंद्र यादव को बदायूं से टिकट दिया गया है। अक्षय यादव, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा प्रो. रामगोपाल यादव के पुत्र हैं, जबकि धर्मेंद्र यादव उनके चचेरे भाई हैं। खीरी से पूर्व विधायक उत्कर्ष वर्मा और धौरहरा से पूर्व एमएलसी आनंद भदौरिया प्रत्याशी होंगे। उन्नाव से पूर्व सांसद अनु टंडन और लखनऊ से मध्य क्षेत्र के विधायक व पूर्व मंत्री रविदास मेहरोत्रा उम्मीदवार बनाए गए हैं। कैंसर सर्जन डॉ. नवल किशोर शाक्य को फर्रुखाबाद, अकबरपुर से पूर्व सांसद राजाराम पाल, बांदा से शिवशंकर पटेल और बस्ती से पूर्व सांसद राम प्रसाद चौधरी को मैदान में उतारा गया है। गोरखपुर से अभिनेत्री काजल निषाद को उतारा गया है। अम्बेडकरनगर से पूर्व मंत्री व कटेहरी के विधायक लालजी वर्मा को प्रत्याशी बनाया गया है। सपा के कुल 16 प्रत्याशियों में 11 ओबीसी और 3 सामान्य जाति से हैं। लखनऊ मध्य क्षेत्र के विधायक रविदास मेहरोत्रा लंबे समय से राजधानी में सक्रिय हैं। हर वर्ग में उनकी पैठ मानी जाती है। यह सीट भाजपा का गढ़ मानी जाती है, इसलिए लखनऊ की समझ रखने वाले अनुभवी नेता को यहां से उतारना मुफीद समझा गया। फर्रुखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य को उतारने की घोषणा पहले ही अखिलेश यादव वहां हुई एक जनसभा में कर चुके हैं। कैंसर सर्जन होने के कारण सभी वर्गों में उनके समर्थक हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्या की बेटी की सीट पर धर्मेंद्र यादव

बदायूं से सपा के फायर ब्रांड नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा मौर्या भाजपा के टिकट पिछला चुनाव जीती थीं। वर्ष 2014 में यहां से धर्मेंद्र यादव जीते थे, लेकिन 2019 में वह

हार गए। धर्मेंद्र यादव को मुस्लिम-यादव समीकरण के चलते बदायूं से एक बार फिर उतारा गया है। बस्ती से सपा प्रत्याशी रामप्रसाद चौधरी 5 बार कप्तानगंज से विधायक रह चुके हैं। वे मायावती सरकार में खाद्य रसद एवं पंचायतीराज मंत्री रह चुके हैं। उनके बेटे अतुल चौधरी कप्तानगंज से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। कुर्मी मतों पर उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। आंकड़े बताते हैं कि वे जीत के तरीके भी जानते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

10 साल की सत्ता के बाद भी नेहरू जिम्मेदार ?

“ अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल के अंतिम सत्र में जब पीएम मोदी सदन में बोलने के लिए खड़े हुए थे तो हर किसी को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री अपनी सरकार की 10 साल की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताएंगे और अपनी सरकार की योजनाओं का जिक्र करेंगे। लेकिन हुआ इसका उलट।

देश की संसद में इस समय बजट सत्र चल रहा है। ये मोदी सरकार 2.0 का अंतिम सत्र है, क्योंकि इसके बाद अब 100 दिनों के अंदर ही लोकसभा चुनाव हो जाना है। ऐसे में अपनी सरकार के अंतिम सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले 5 फरवरी को लोकसभा में और फिर 7 फरवरी को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दिया। अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल के अंतिम सत्र में जब पीएम मोदी सदन में बोलने के लिए खड़े हुए थे तो हर किसी को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री अपनी सरकार की 10 साल की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताएंगे और अपनी सरकार की योजनाओं का जिक्र करेंगे। लेकिन हुआ इसका उलट। प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में जब बोलने के लिए खड़े हुए तो उन्होंने अपने भाषण में अपनी सरकार की उपलब्धियों व योजनाओं पर कम बात की और कांग्रेस की पिछली सरकारों, जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, मनमोहन सिंह और कांग्रेस पार्टी के बारे में ज्यादा बातें कीं।

इतना ही नहीं पीएम मोदी ने तो अपनी सरकार की तुलना ही नेहरू और उनके समय की सरकारों से कर दी। उन्होंने देश में निरंतर बढ़ रही महंगाई के लिए भी नेहरू व कांग्रेस की सरकारों को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। लेकिन यहां मोदी जी शायद ये भूल गए कि पिछले 10 सालों से देश की सत्ता उनके हाथों में है। पिछली दो सरकारों में योजनाएं उनकी सरकार ने बनाईं, लागू कीं या हटाईं। इसमें नेहरू, इंदिरा या कांग्रेस का कोई योगदान नहीं रहा। रही बात कांग्रेस के सवाल उठाने की तो वो विपक्ष है, और अगर विपक्ष अब सत्ता से सवाल भी नहीं करेगा तो क्या करेगा? लेकिन इस दौरान सबसे ज्यादा गौर करने वाली बात ये है कि मोदी जी 21वीं सदी की अपनी 10 साल की सरकार के कार्यकाल के पूरे हो जाने के बाद भी निशाना नेहरू पर साध रहे हैं और उन्हें महंगाई के लिए या देश की हालत के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। ये बोलते वक्त शायद मोदी जी इस बात को भूल जाते हैं कि नेहरू को देश किस हालत में मिला था और आपको देश किस हालत में मिला है। इतना ही नहीं उस वक्त जब देश आजाद ही हुआ था और अंग्रेजों के साथ जंग के बाद के हालातों से गुजर रहा था, तब भी नेहरू जी ने अपने शासनकाल में देश के लिए क्या किया और आप आजादी के 76 साल बाद देश के लिए क्या कर रहे हैं। अगर सोचकर देखेंगे तो अंतर साफ पता चल जाएगा। जब नेहरू सत्ता में थे तो वो देश बना रहे थे, लेकिन अब 76 साल बाद जब आप सत्ता में हैं तो देश की संस्थाओं, विभागों और योजनाओं को अपने मित्रों को बेच रहे हैं। एकबार सोचकर देखिए शायद आप भी समझ जाएंगे कि दोनों के शासन में क्या अंतर है और इस समय महंगाई के लिए जिम्मेदार कौन है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुरक्षा कवच को मजबूती व हथियारों में आत्मनिर्भरता

डॉ. एन.के. सोमानी

साल 2024-25 के अंतरिम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रक्षा क्षेत्र को बड़ी सौगात दी है। रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आयात घटाने के साथ-साथ शोध एवं विकास को बढ़ाने हेतु नरेंद्र मोदी सरकार ने जो पहल की थी अंतरिक बजट में उसकी छाप भी साफ तौर पर देखी जा सकती है। बजट में डिफेंस सेक्टर को मजबूत करने के लिए विकास और अनुसंधान पर विशेष जोर दिया गया। आगामी वित्त वर्ष के लिए डिफेंस सेक्टर को रिकॉर्ड 6.24 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जो पिछले बजट के मुकाबले 0.27 लाख करोड़ रुपये (तकरीबन 13 फीसदी) अधिक हैं। पिछले वर्ष यह राशि 5.94 लाख करोड़ रुपये थी। यह देश के कुल बजट का आठ फीसदी है। यह पहला अवसर है जब रक्षा बजट में दोहरे अंकों की वृद्धि हुई है।

उत्तर-पूर्व और हिन्द महासागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता तथा पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान की चुनौतियों के बीच सामरिक हल्कों में इस बात की उम्मीद की जा रही थी कि अंतरिम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए कुछ खास प्रावधान किए जा सकते हैं। बजट प्रावधानों से साफ है कि भू-राजनीतिक परिदृश्य में हो रहे परिवर्तनों के दृष्टिगत भारत अपनी सुरक्षा तैयारियों के प्रति कितना गंभीर है। इसके अतिरिक्त पिछले छह-सात सालों से जिस तरह से रक्षा बजट में लगातार वृद्धि हुई है उससे साफ है कि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता एवं निर्यात को बढ़ावा देने के दोहरे उद्देश्य के साथ आगे बढ़ रहा है। साल 2020 में जनवरी के शुरू में संसद की (रक्षा पर) स्टैंडिंग कमेटी ने रक्षा क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखकर ठीक ढंग से बजट का आवंटन न किए जाने को लेकर सरकार की आलोचना की थी। इसके बाद से भारत सरकार अपने रक्षा बजट को लगातार बढ़ा रही है। पिछले पांच वर्षों के बजट पर नजर डालें तो सकल रक्षा बजट (बीई) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। साल 2021-22 में 4.78 लाख करोड़, 2022-23 में 5.25 लाख करोड़, 2023-24 में 5.94, लाख करोड़ व साल 2024-25 के लिए अंतरिम बजट में 6.24 लाख करोड़ रुपये का आवंटन रक्षा क्षेत्र के लिए किया गया है।

पिछले एक दशक में भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश हो गया है। दो-दो परंपरागत शत्रुओं के बीच अवस्थित होने के कारण भारत की

सुरक्षा चिंताओं के लिए यह जरूरी भी था। चीन लगातार अपनी सेनाओं का आधुनिकीकरण कर रहा है। वह रोबोट आर्मी और अनमैन्ड व्हीकल्स जैसे विकल्पों को अपना रहा है। अमेरिका के बाद चीन दूसरा ऐसा देश है जो डिफेंस सेक्टर पर सबसे ज्यादा खर्च करता है। उसने साल 2024 के बजट में रक्षा क्षेत्र में 15.4 प्रतिशत का इजाफा कर 1.45 ट्रिलियन युआन (करीब 224 बिलियन डॉलर) का आवंटन किया था जो भारत के रक्षा बजट से तीन गुना अधिक है। भारत भी जल, थल और नभ सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में प्रयासरत है। ऐसे में रक्षा मंत्रालय के लिए पर्याप्त बजट की मांग लगातार उठती रही है। अभी भारत अपनी जीडीपी का 2 फीसदी रक्षा क्षेत्र में खर्च करता है जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह कम से कम 3 फीसदी होना चाहिए। अमेरिका अपनी जीडीपी का कुल 4 फीसदी जबकि चीन अपनी जीडीपी का 3 फीसदी रक्षा पर खर्च करता है। हालांकि, रक्षा मंत्रालय को आपातकालीन खरीद के लिए आवंटन का प्रावधान है जिसके जरिए वह बजट के अतिरिक्त भी धन खर्च कर सकता है। अंतरिम बजट में सीमावर्ती इलाकों में ढांचागत सुधार पर भी ध्यान फोकस किया गया है। ढांचागत सुधार और विकास हेतु सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को 6,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जो पिछले साल की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है। भारत चीन के साथ 3,488 किमी सीमा साझा करता है। ये सीमा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरती है। ऐसे में बीआरओ द्वारा यहां कई तरह के निर्माण कार्यों की योजना बनाई गई है। खासतौर से 13,700 फीट की ऊंचाई पर लद्दाख में न्योमा एयर फील्ड का विकास, अंडमान-निकोबार द्वीप में स्थायी पुल कनेक्टिविटी, हिमाचल प्रदेश में शिकू ला सुरंग व अरुणाचल प्रदेश में नेचिफू सुरंग सहित अन्य परियोजनाओं को विकसित किए जाने की योजना है।

अंतरिम बजट में धनराशि का आवंटन कर दिए जाने के बाद बीआरओ को इन परियोजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी। कुल मिलाकर कहा जाए तो साल 2024-25 के लिए बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए जो 13 फीसदी का इजाफा किया गया है वो बहुत ज्यादा नहीं तो कम भी नहीं है।

अंतरिक्ष में वर्चस्व के लिए लग्रेंज बिंदुओं पर दावे

मुकुल व्यास

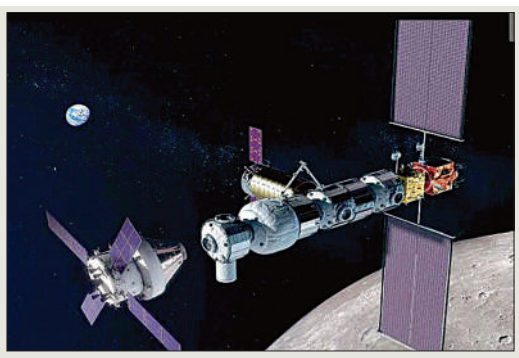

अंतरिक्ष अन्वेषण में लग्रेंज बिंदुओं के बढ़ते महत्व को देखते हुए भविष्य में इन स्थानों पर आधिपत्य कायम करने के लिए अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों में होड़ लग सकती है। फ्रेंच-इटालियन खगोलशास्त्री और गणितज्ञ जोसेफ-लुई लग्रेंज के नाम पर रखे गए इन स्थानों का खगोलीय पिंडों के अध्ययन और अवलोकन के लिए विशेष महत्व है। अंतरग्रहीय अंतरिक्ष में लग्रेंज प्वाइंट ऐसे स्थान हैं जहां सूर्य और पृथ्वी जैसी दो पिंड प्रणालियों के गुरुत्वाकर्षण बल आकर्षण और प्रतिकर्षण के उन्नत क्षेत्र उत्पन्न करते हैं। इनका उपयोग अंतरिक्ष यान द्वारा स्थिति में बने रहने के लिए आवश्यक ईंधन की खपत को कम करने के लिए किया जा सकता है। ये ऐसे स्थान हैं जहां दो खगोलीय पिंडों (जैसे पृथ्वी और सूर्य) का गुरुत्वीय खिंचाव एक छोटी वस्तु को उनके बीच स्थिर रूप से परिक्रमा करने के लिए आवश्यक सेंट्रिपेटल फोर्स को संतुलित करता है।

इस गणितीय समस्या को 'जनरल थ्री-बॉडी प्रॉब्लम' के नाम से जाना जाता है। जोसेफ लग्रेंज ने 1772 में अपने पुरस्कृत पेपर में इस समस्या पर विस्तार से चर्चा की थी। ध्यान रहे कि सूर्य के अध्ययन के लिए भेजा गया भारत का आदित्य एल1 यान 6 जनवरी को लग्रेंज प्वाइंट 1 पर तैनात किया गया है। सूर्य और पृथ्वी-चंद्रमा सिस्टम में पांच अलग-अलग प्वाइंट हैं, जिन्हें एल1 से एल5 तक लेबल किया गया है। एल4 और एल 5 सूर्य के चारों ओर अपने कक्षीय पथ पर पृथ्वी (चंद्रमा सहित) से 60 डिग्री आगे और पीछे निश्चित स्थान पर स्थित हैं। यह स्थिरता उन्हें उपग्रहों और दूरबीनों के लिए आदर्श 'पार्किंग' स्थान बनाती है। चंद्रमा के अदृश्य हिस्से को देख सकने के कारण एल2 विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हम चंद्रमा के इस भाग को पृथ्वी से नहीं देख सकते। अंतरिक्ष यान अपनी स्थिति को एडजस्ट करने के लिए अधिक ईंधन की आवश्यकता के बिना इन क्षेत्रों में लंबे समय तक रह सकता है। इससे हमारे ग्रह और चंद्रमा का निरंतर अवलोकन किया जा सकता है। यहां से पृथ्वी के मौसम पैटर्न का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श बिंदु मिलता है। वायुमंडलीय हस्तक्षेप की कमी और चंद्रमा से एल1 और एल2 की निकटता इन स्थानों को आदर्श पार्किंग स्थल भी बनाती है। जब अंतरिक्ष अनुसंधान, संचार और निगरानी की बात आती है तो जो कोई भी इन स्थानों को नियंत्रित करेगा, उसे महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा।

सूर्य के दृष्टिकोण से, एल 2 पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर पीछे है। यह पृथ्वी के समान गति से सूर्य की परिक्रमा करता है, लेकिन चंद्रमा से लगभग चार गुना अधिक दूर है। पृथ्वी के परिप्रेक्ष्य से चंद्रमा के पीछे, एल2 गहरे अंतरिक्ष का अबाधित दृश्य प्रदान करता है। यही वजह है कि जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप को यहां तैनात किया गया है। चीन ने पहले ही अपने चांगई 4 रोबोटिक यान से संचार के लिए एल2 पर चेचोव रिले उपग्रह भेज दिया है। ध्यान रहे कि चांग'ई 4 चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला पहला अंतरिक्षयान है। अमेरिका की नजर भी एल2 पर है, जहां उसने लूनर गेटवे जैसे मिशन की योजना बनाई है। लूनर गेटवे एक छोटा अंतरिक्ष स्टेशन होगा। यह चंद्रमा की परिक्रमा करने वाली एक बहुउद्देशीय चौकी के रूप में कार्य करेगा और चंद्रमा की सतह मिशनों के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। लूनर गेटवे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करेगा। नासा गेटवे स्थापित करने के लिए वाणिज्यिक और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम कर रहा है।

एल 3 प्वाइंट हमेशा सूर्य के पीछे छिपा हुआ रहता है। अंतरिक्ष में सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन के बढ़ते कदमों से अमेरिका काफी विचलित है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की एक समिति ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि बहुपक्षीय अंतरिक्ष प्रशासन में प्रभुत्व स्थापित करने, वैज्ञानिक खोज करने और अमेरिकी नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरिक्ष क्षेत्र में कमांड और नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए नासा और संबंधित रक्षा विभाग की फंडिंग महत्वपूर्ण है। इन सिफारिशों में शामिल क्षेत्र व्यापक हैं, लेकिन अंतरिक्ष के संबंध में एक सुझाव सबसे महत्वपूर्ण था। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी कांग्रेस को नासा और रक्षा विभाग के उन कार्यक्रमों को फंड करना चाहिए जो अंतरिक्ष में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की 'कुत्सित महत्वाकांक्षाओं' का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अमेरिका सभी लग्रेंज बिंदुओं पर स्थायी रूप से संपत्ति तैनात करने वाला पहला देश हो।

पिछले कुछ वर्षों में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम काफी आगे बढ़ चुका है। चांग'ई 5 चंद्र नमूना वापसी मिशन और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर आगामी चांग'ई 6 मिशन उसके बड़े कदमों के दो उदाहरण हैं। चीन का चेंगगोंग अंतरिक्ष स्टेशन चालू है। चीन को निकट भविष्य में चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की भी उम्मीद है। अमेरिकी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अंतरिक्ष-आधारित संचालन की आवश्यकता को अच्छी तरह से समझती है और इस क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए जबरदस्त अंतरिक्ष क्षमताओं का विकास कर रही है। अमेरिका व चीन गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए प्रौद्योगिकियां भी विकसित कर रहे हैं, जिनमें पृथ्वी-चंद्रमा सिस्टम के लग्रेंज प्वाइंट्स का इस्तेमाल मंगल और उससे आगे के पड़ाव के लिए मिशन भेजने के लिए किया जाएगा।

गाजर से बढ़ती है इम्युनिटी

छू नहीं पाएंगे वायरस-बैक्टीरिया

सर्दियों के मौसम में कई तरह की सब्जियां और फल मिलते हैं। खाने-पीने के शौकीन लोगों को इस मौसम का बेसब्री से इंतजार होता है। इस सीजन में रंग-बिरंगे गाजर भी खूब मिलती हैं। लोग इसे खाने में कई तरीके से शामिल करते हैं। गाजर में कई सारे विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो सर्दियों के सीजन में शरीर के लिए जरूरी होते हैं। यह रूट वेजिटेबल आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के काम आती है। जिससे कोई भी खतरनाक वायरस या बैक्टीरिया आपको नुकसान ना पहुंचा पाए। गाजर खाने के कई सारे अन्य फायदे भी हैं। बताता है कि गाजर के अंदर बीटा कैरोटीन की भरमार होती है जिसे शरीर विटामिन ए बनाकर इस्तेमाल करता है। यह आपकी आंखों की रोशनी तेज करने में सपोर्ट करता है। इससे कोलेस्ट्रॉल कम होता है और डायजेस्टिव सिस्टम हेल्दी रहता है। चुकंदर के साथ इसे खाकर पोषक तत्वों को बढ़ाया जा सकता है।

गाजर का हलवा

ठंड में गर्मागर्म गाजर का हलवा खाने का मजा ही कुछ और होता है। ये न सिर्फ सर्दियों में बनने वाला खास तरह का मीठा व्यंजन है बल्कि इसके टेस्ट के साथ ही इसमें छिपे हैं हेल्थ के लिए कई फायदे। गाजर का हलवा सर्दियों में हर घर में जरुर बनाया जाता है। हालांकि ज्यादा मीठा खाना सेहत के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं माना जाता है। फिर भी इसे लोग जाड़े के मौसम में बड़े चाव से खाते हैं। जो लोग डाइट कॉन्शियस हैं उनके लिए सर्दियों में गाजर का हलवा हेल्दी डेजर्ट का बेहतरीन विकल्प है। गाजर का हलवा दूध, ड्रायफ्रूट्स और कई पौष्टिक सामग्रियों के साथ बनाया जाता है। जो सर्दियों के मौसम में शरीर को चुस्त दुरस्त रखने के साथ ही वजन को बढ़ने से रोकता है। आइए जानते है कि सर्दियों में गाजर का हलवा खाना से क्या-क्या फायदे होते हैं।

गाजर में होती है फाइबर की भरपूर मात्रा

गाजर में भरपूर मात्रा में कैरीटोनॉइड, पोटैशियम, विटामिन जैसे ढेरों पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें विटामिन ए भी काफी मात्रा में पाया जाता है, गाजर ब्लड प्यूरीफायर का भी काम करती है। इसके अलावा इसमें आयरन भी भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। इसमें घुलनशील और अघुलनशील फाइबर मौजूद होते हैं जो वजन घटाने के लिए जाना जाता है।

गाजर और चुकंदर सूप

गाजर और चुकंदर को टुकड़ों में काटकर पकाएं। पकाने के लिए प्याज, लहसुन और सब्जियों का सूप भी डालें। अदरक, हल्दी और काली मिर्च पाउडर के साथ मिक्सचर को स्मूथ बनाएं। यह मसाले एक्टिव कंपाउंड और एंटीऑक्सीडेंट की वजह से इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।

गाजर - चुकंदर सलाद

गाजर और चुकंदर को काटकर मुलायम होने तक रोस्ट करें। फिर इन्हें ठंडा होने दें और ताजी हरी सब्जियों के साथ टॉस करें। इस सलाद में चीज़, टोस्ट किए हुए अखरोट और ऑलिव ऑयल, नींबू रस और हल्के शहद भी डालें। यह सलाद विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर है।

गाजर का जूस

गाजर का जूस में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में गाजर का जूस जरूर शामिल करें। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो वजन कम करने में मददगार है। गाजर का जूस पीने से पेट देर तक भरा रहता है, जिससे आप ज्यादा खाने से बच सकते हैं। शरीर में विटामिन ए की कमी से आंखों की समस्याएं हो सकती हैं। गाजर में यह विटामिन पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। स्वस्थ आंखों के लिए आप नियमित रूप से गाजर के जूस का सेवन कर सकते हैं।

गाजर व चुकंदर का अचार

दोनों फूड्स को पतले और लंबे टुकड़ों में काटें। अब एक कटोरे में सिरका, रेड चिली फ्लेक्स, नींबू रस, चीनी और नमक को मिलाएं। फिर इस मिक्सचर में गाजर और चुकंदर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इन्हें एक एयर टाइट कंटेनर में डालकर कुछ दिन धूप में रखें और फिर खाएं।

गाजर - चुकंदर स्मूदी

चुकंदर और गाजर को छीलकर काटें। अब ब्लेंडर में चुकंदर, गाजर, एक केला, एक कप ग्रीक योगर्ट, दालचीनी पाउडर और शहद डालकर ब्लेंड करें। यह स्मूदी विटामिन, मिनरल्स और फाइबर के गुणों से भरपूर है।

माइग्रेन में भी राहत

आम तौर पर तनाव की वजह से माइग्रेन की समस्या हो जाती है। माइग्रेन से राहत दिलाने में गाजर का घरेलू उपाय बहुत लाभकारी सिद्ध होता है। गाजर के पत्तों को घी से चुपड़कर गर्म करके उनका रस निकालकर 2-3 बूंद नाक और कान में डालने से दर्द से राहत मिलती है।

कान दर्द करे कम

अगर सर्दी-खांसी या किसी बीमारी के साइड इफेक्ट के तौर पर कान में दर्द होता है तो गाजर से इस तरह से इलाज करने पर आराम मिलता है। केले की जड़, गाजर, अदरक तथा लहसुन से पकाए हुए जल को गुनगुने गर्म पानी में 1-2 बूंद कान में डालने से कान का दर्द कम होता है।

आंखों के लिए राहत

आजकल कंम्प्यूटर पर काम दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण आंखों को सबसे ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गाजर आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करती है। 250 ग्राम सौंफ को साफ करके कांच के पात्र में रखें, इसमें बादामी रंग की गाजरों के रस दें। सूख जाने के बाद 5 ग्राम रोज रात में दूध के साथ सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। और इससे आंखों में जलन भी कम हो जाती है।

हंसना मना है

संता-डॉक्टर साहब दो साल पहले मुझे बुखार आया था । डॉक्टर-तो अब क्या? संता-आपने नहाने को मना किया था आज इधर से गुजर रहा था तो सोचा कि पूछता चलूं .. अब नहा लूं क्या?

चिंटू-मुझे 100 रुपये दे। बदले में तुझे लाख रुपये की सलाह दूंगा। पिंटू-यह ले। अब क्या सलाह है? चिंटू-यही कि भाई! हर किसी को ऐसे पैसे मत बांटा कर।

संता ने अमरूद लिए तो उसमें से कीड़ा निकला। संता अमरुद वाले से: इसमें तो कीड़ा है! अमरुद वाला: ये किस्मत की बात है, क्या पता अगली बार मोटर साइकिल निकल जाए। संता : दो किलो और दे दो।

डॉक्टर मरीज से: अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे। मरीज: साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं, कब्र खोदता हूं आपकी फ्री में खोद दूंगा।

कहानी — लोमड़ी और सारस की दावत

बहुत पुरानी बात है, एक जंगल में एक लोमड़ी और एक सारस रहते थे। ये दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे। सारस रोजाना लोमड़ी को तालाब से मछली पकड़ कर खाने के लिए देता था। इस प्रकार दोनों की दोस्ती बहुत गहरी होती चली गई। सारस बहुत सीधा साधा था, लेकिन लोमड़ी बहुत शैतान और चालाक थी। वह हमेशा दूसरों को परेशान किया करती थी। उसे दूसरों का अपमान करने और मजाक उड़ाने में बहुत मजा आता था। एक दिन उसने सोचा कि क्यों न एक बार सारस का भी अपमान किया जाए और उसका मजाक उड़ाया जाए। ऐसा सोचकर उसने सारस को दावत पर बुलाया। उसने जान बूझकर सूप एक प्लेट में परोसा। उसे पता था कि सारस प्लेट में से सूप को नहीं पी सकता। उसे सूप न पीता देख लोमड़ी मन ही मन बहुत खुश हुई और झूठी चिंता दिखाते हुए सारस से पूछने लगी कि क्या बात है मित्र सूप पसंद नहीं आया क्या? सारस बोला नहीं मित्र, यह तो बहुत स्वादिष्ट है। सारस ने जब देखा कि सूप को प्लेट में परोसा गया है और लोमड़ी जान बूझकर उससे सवाल कर रही है, तो वह सब समझ गया, लेकिन कुछ नहीं बोला। उस दिन सारस को अपमान सहने के साथ ही भूखा भी रहना पड़ा, लेकिन जाते-जाते सारस ने भी उसे अपने यहां दावत पर बुलाया और लोमड़ी दूसरे ही दिन सारस के घर दावत पर पहुंच गई। सारस ने भी दावत में सूप बनाया था और लोमड़ी के साथ लंबी चोंच वाले अन्य पक्षियों को भी बुलाया था। सारस ने सूप को सुराही में परोसा। सुराही का मुंह इतना छोटा था कि उसमें बस चोंच ही अंदर जा सकती थी। लोमड़ी पूरा टाइम सुराही और अन्य सभी पक्षियों को सूप पीते देखती रही। इसी बीच सारस ने पूछा कि क्या बात है मित्र सूप अच्छा नहीं लगा क्या, लोमड़ी को अचानक अपने शब्द याद आ गए। सभी बोले कि सूप बहुत स्वादिष्ट है। लोमड़ी को भी सभी की हां में हां मिलाना पड़ा। यह सब देख लोमड़ी अपने आप में बहुत अपमानित महसूस कर रही थी, लेकिन कुछ कह नहीं सकी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ — शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा।

मिथुन — धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह — संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

तुला — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु — कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कुम्भ — सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मीन — शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

राम माधवानी ने मेरे अंदर छिपी खास कला को खोजा : सुष्मिता

सुष्मिता सेन ने निर्देशक राम माधवानी के साथ काम करने पर खुशी व्यक्त की और साझा किया कि कैसे राम माधवानी ने उनके अंदर छिपी खास कला को खोजा। एक्ट्रेस ने कहा अपने अंदर की इस कला के बारे में उन्हें खुद भी नहीं पता था। सुष्मिता राम माधवानी की क्राइम थ्रिलर सीरीज आर्या में मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं। नीरजा के निर्देशक के साथ काम करने के बारे में जानकारी साझा करते हुए सुष्मिता ने कहा, राम माधवानी के साथ काम करना हमेशा आनंददायक होता है। मैं वास्तव में उनकी प्रतिभा की प्रशंसा करती हूं। उन्होंने सीधी-साधी आर्या को जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम व्यक्ति के रूप में बदल दिया। पूर्व मिस यूनिवर्स ने कहा, ऑफ-स्क्रीन, राम ने मेरे भीतर उस कला को खोजा है, जिनके बारे में मैं कभी खुद भी नहीं जानती थी। मुझ पर उनका भरोसा अविश्वसनीय है, उन्होंने मुझसे पहले ही मुझमें आर्या को देख लिया था। सुष्मिता ने आगे कहा, आर्या अंतिम वार के लिए, राम और मैंने आर्या के किरदार को समझा। जब उन्होंने मुझसे उस किरदार में ढलने के लिए कहा, तो मैंने उनकी बात मानी और ठीक वैसे ही किया। आप स्क्रीन पर दर्द और गुस्सा देख सकते हैं, यह सब राम के मार्गदर्शन के कारण हुआ। आर्या अंतिम वार 9 फरवरी से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी।

अब ओटीटी पर दस्तक देने को तैयार है द केरल स्टोरी

अदा शर्मा की सुपरहिट फिल्म द केरल स्टोरी ने सिनेमाघरों में भरपूर प्यार लूटा। फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो चुकी हैं। इसके बाद अब फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने के लिए बिल्कुल तैयार है। ऐसे में निर्देशक सुदीप्तो सेन ने साझा किया कि इस तरह के संवेदनशील विषय से निपटना और इसे फिल्म में अनुवाद करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है।

वास्तविक घटनाओं से प्रेरित, द केरल स्टोरी, जिसने अपनी नाटकीय रिलीज के दौरान काफी चर्चा पैदा की है, केरल में युवा हिंदू महिलाओं के कथित कट्टरपंथ और दूसरे धर्म में धर्मांतरण के संवेदनशील और जटिल मुद्दे पर प्रकाश डालती है, जिससे उन्हें आतंकवादी समूहों में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, सुदीप्तो ने कहा, इस तरह के संवेदनशील विषय को उठाना और इसे फिल्म में अनुवाद करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, यह एक चुनौती है, जिसे हमने स्वेच्छा से स्वीकार किया है। हालांकि, हर फिल्म निर्माता अपने काम के बारे में आश्वासन चाहता है। द केरल स्टोरी का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन मेरे लिए खुद पर विश्वास जारी रखने का आश्वासन था।

बॉलीवुड | मसाला

उन्होंने कहा, कई लोग स्थिति की वास्तविकता के बारे में अंधेरे में जी रहे हैं और उन लोगों के लिए, यह फिल्म उस अंधेरे को दूर करेगी और उन्हें सच्चाई दिखाएगी। फिल्म में चेहरे असली हैं। फिल्म के पात्रों का भाग्य और परिणाम वास्तविक हैं। सुदीप्तो ने आगे कहा, यह फिल्म दर्शकों के लिए एक अनोखा सिनेमाई अनुभव है।

शालिनी उन्नीकृष्णन की भूमिका निभाने वाली अदा ने कहा, फिल्म द केरल स्टोरी के साहसी निर्माता विपुल शाह और सुदीप्तो सेन इस फिल्म को जीवंत बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए सराहना के पात्र हैं।

जी-5 के मुख्य व्यवसाय अधिकारी मनीष कालरा ने कहा- फिल्म की कहानी और अदा के किरदार दोनों ने न केवल प्रशंसकों और आलोचकों से प्रशंसा अर्जित की है, बल्कि अपने प्रदर्शन के साथ एक अमिट छाप छोड़ी है। हमें ऐसी फिल्म लाकर खुशी हो रही है जो सच्ची घटनाओं पर आधारित है और एक संवेदनशील लेकिन महत्वपूर्ण विषय को संबोधित करती है।

16 फरवरी से स्ट्रीम हो रही है फिल्म

फिल्म तीन लड़कियों की कहानी है। शालिनी (अदा शर्मा), निमाह (योगिता बिहानी), और गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), जिन्हें उनकी रूममेट आसिफा (सोनिया बलानी) दूसरे धर्म में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित करती है। द केरल स्टोरी 16 फरवरी से जी-5 पर स्ट्रीम होने जा रही हैं।

आखिरकार अलग हो गए ईशा देओल और भरत

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी और बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने पति भरत तख्तानी से अलग होने का ऐलान कर दिया है। काफी वक्त से रिपोर्ट्स आ रही थीं कि कपल अलग हो गया है। सोशल मीडिया यूजर्स ने भी ध्यान दिया था कि लंबे समय से ईशा और भरत किसी भी पार्टी या इवेंट में साथ नजर नहीं आए हैं। अब अफवाहों को कन्फर्म करते हुए कपल ने ऐलान कर दिया है कि वो अलग हो गए हैं। ये सब दोनों की आपसी सहमति से हुआ है।

कपल ने अलग होने को लेकर जॉइंट स्टेटमेंट में कहा, हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला कर लिया है। हमारे इस फैसले में हमने अपने दोनों बच्चों के भले के बारे में सोचा है। वो दोनों हमारे लिए हमेशा प्राथमिकता रहेंगे। हम सभी से हमारी प्राइवेसी का ध्यान रखने की दरख्वास्त करते हैं।

जनवरी 2024 में ईशा और भरत के तलाक के चर्चे हुए थे। बॉलीवुड के गलियारों में ईशा देओल और भरत तख्तानी के टूटते रिश्ते को लेकर खूब गॉसिप हो रही थी। इसकी शुरुआत रेडिट के एक वायरल पोस्ट की वजह से हुई थी। पोस्ट में कहा गया था कि कपल के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके बाद यूजर्स ने इस बात बात पर गौर किया कि साल 2023 से शुरू हुए फेस्टिव सीजन में ईशा देओल को सिर्फ अपनी मां हेमा मालिनी के साथ देखा गया था। यहां तक कि आमिर खान की बेटी आयरा खान के रिसेप्शन में भी ईशा मां हेमा के साथ पहुंची थीं।

अजब-गजब | भारत का सबसे शातिर ठग,

जिसने बेच दिए थे ताज महल से लेकर संसद भवन तक

आपने देखा होगा कि कई लोग इतने शातिर होते हैं कि वे लोगों को अपनी बातों में बहला फुसलाकर उनके साथ ठगी करते हैं। भारत में कई शातिर ठग हुए हैं। आज हम आपको एक ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे देश का सबसे शातिर ठग माना जाता है। इस शख्स ने ताज महल और संसद भवन तक को बेच दिया था। इस शख्स ने भी अपनी चतुराई से ताजमहल को जिसे बेचा उसे ये यकीन दिला दिया कि वो सचमुच में ताजमहल का मालिक बनने वाला है। हम बात कर रहे हैं बिहार के सीवान जिले के बंगरा गांव का रहने वाले मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव की। मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव पेशे से वकील था। लेकिन उसने लोगों को ठगने का काम शुरू कर दिया था। मिथिलेश लोगों को चूना लगाने के लिए अपना नाम बदलता और उनसे अलग-अलग नामों से ठगी करता। मिथिलेश ने करीब 50 फर्जी नामों का इस्तेमाल कर ठगी की थी। उसने जिन लोगों को ठगा उसमें टाटा, बिड़ला, मित्तल और अंबानी जैसे नाम भी शामिल हैं।

बता दें कि मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव के पास

देश के प्रसिद्ध लोगों के हस्ताक्षर बनाने की कला थी। इसी के दम पर वह बड़ी-बड़ी ठगी को अंजाम दिया। देश के ऐतिहासिक स्थलों को बेचने पर अपनी दृष्टि स्थापित करने से पहले उसने प्रसिद्ध हस्तियों के हस्ताक्षर बनाने की कला में महारत हासिल कर ली थी। मिथिलेश श्रीवास्तव ने संसद भवन, ताजमहल, लाल किला, राष्ट्रपति भवन को भी बेच दिया था।

बता दें कि महाठग मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव को देश के 8 राज्यों की पुलिस तलाश कर रही थी। इन राज्यों में उसके खिलाफ 100 से ज्यादा मामले दर्ज थे। जिसके लिए मिथिलेश श्रीवास्तव को 113 साल जेल सजा हुई थी। लेकिन इसमें से उसने केवल 20 साल की कैद ही काटी। मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव को पुलिस ने नौ बार गिरफ्तार किया। लेकिन वह हर बार पुलिस के चुंगल से भाग निकला। एक घटना में, उसने एक पुलिस-अधिकारी की वर्दी चुराई और उसे पहनकर बड़ी आसानी से जेल से बाहर आ गया। मिथिलेश श्रीवास्तव को आखिरी बार 1996 में गिरफ्तार किया गया। तब उसकी उम्र 84 साल थी, लेकिन इस बार भी वो भागने में सफल हो गया।

बताया जाता है कि जब उसे आखिरी बार गिरफ्तार किया गया, तब उसने कानपुर जेल से एम्स अस्पताल में पुलिस एस्कॉर्ट के साथ इलाज के लिए भेजा गया। लेकिन जब वह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचा वहां से गायब हो गया। उसके बाद वह कभी नजर नहीं आया। मिथिलेश की मौत कैसे हुई ये आज भी रहस्य बनी हुई है। हालांकि, कुछ लोगों का दावा है कि उसकी मृत्यु 25 जुलाई 2009 को हुई। जबकि उनके भाई गंगा प्रसाद श्रीवास्तव ने 1996 में रांची में उसका अंतिम संस्कार करने का दावा किया।

जब आसमान में हुआ हादसा : चंद सेकेंड में हवा में जलकर खाक हो गए थे 36 लोग

कई बार आसमान में उड़ रहे प्लेन क्रैश होकर जमीन पर गिर जाते हैं। आपने कई प्लेन हादसों के बारे में पढ़ा और सुना होगा। आपने टाइटैनिक जहाज के बारे में सुना होगा जो पानी में डूब गया था। टाइटैनिक जैसा हादसा एक बार हवा में भी हुआ था। इस दुर्घटना को इतिहास में हिंडनबर्ग डिजास्टर के नाम से जाना जाता है। दरअसल, हिंडनबर्ग एक एयरशिप था। इस दुर्घटना में करीब 36 लोग हवा में ही जलकर खाक हो गए थे। हिंडनबर्ग का इतिहास हिटलर के दौर से जुड़ा है। बात साल 1937 की है, जब जर्मनी में हिटलर का शासन था। अमरीका के न्यूजर्सी में हिंडनबर्ग एयरशिप को लोग जमीन से देख रहे थे। दरअसल, हिंडनबर्ग एयरशिप ने 3 मई 1937 को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से अमरीका के न्यूजर्सी के लिए उड़ान भरी। एयरशिप के न्यूजर्सी पहुंचने पर मौसम बिगड़ गया था। तेज हवा की वजह से एयरशिप लैंड नहीं कर पा रहा था। कुछ ही देर में हवा का रुख एयरशिप के खिलाफ होने लगा। एयरशिप के चालक दल के पास दो विकल्प थे। पहला यह कि धीरे-धीरे लैंडिंग साइट की तरफ बढ़ने की कोशिश की जाए, इसमें काफी टाइम लगता। दूसरा था एक शार्प मोड़ लेते हुए लैंडिंग साइट पर पहुचा जाए। एयरशिप पायलट ने शार्प मोड़ लेने का फैसला किया लेकिन इसकी वजह से एयरशिप के पिछले हिस्से के कुछ स्टील के तार टूट गए। इससे एक गैस चैंबर को नुकसान पहुंच गया और गैस लीक होने लगी। एयरशिप का पिछला हिस्सा नीचे की तरफ झुकने लगा। जबकि लैंडिंग के वक्त एयरशिप को बैलेंस रखना होता है। बैलेंस करने के लिए पायलट ने पिछले हिस्से से तीन बार पानी गिराने का आदेश दिया। साथ ही सारे क्रू मेंबर्स को एयरशिप में आगे की ओर जाने को कहा गया। एयरशिप को लैंड कराते समय कुछ रस्सियां नीचे फेंकी जाती थीं। इन रस्सियों से एयरशिप को नीचे खींचा जाता था। हिंडनबर्ग एयरशिप को भी रस्सियों के सहारे नीचे खींचा जा रहा था। उसी वक्त एयरशिप के पिछले भाग में आग लग गई। एयरशिप में काफी सारी हाइड्रोजन गैस भरी हुई थी। इसने तुरंत आग पकड़ ली और कुछ ही देर में एयरशिप आग का गोला बन गया। आग लगने पर कई लोग डर के चलते खिड़कियां तोड़कर नीचे कूद गए। इस दौरान सिर्फ 30-35 सेकेंड में ही 36 लोगों की जान चली गई। ऐसा कहा जाता है कि तूफान में बिजली कड़कने से एयरशिप का बाहरी हिस्सा और अंदर के ढांचे के बीच इलेक्ट्रिक चार्ज पैदा हुआ था। इसके चलते आग लगी। इस हादसे ने एयरशिप इंडस्ट्री को बर्बाद कर दिया था। हिंडनबर्ग हादसे के बाद लोगों का एयरशिप से भरोसा उठ गया।

क्रोध विकास की नहीं, विनाश की गारंटी है: राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी पर साधा निशाना

» बोले- चुनावी मंच हो या संसद, पीएम का हर भाषण सिर्फ झूठ का अंबार होता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर को बीजेपी की विचारधारा ने जलाया: राहुल

इस दौरान मणिपुर का जिक्र करते हुए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि मणिपुर को बीजेपी की विचारधारा ने जला रखा है। आज भी वहां लोग मारे जा रहे हैं, घर जलाए जा रहे हैं। लेकिन आज तक हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री मणिपुर नहीं गए। शायद वो वहां जा भी नहीं सकते, क्योंकि मणिपुर के लोग अब उनसे नफरत करने लगे हैं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल यानी बुधवार 7 फरवरी को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए विपक्ष और खासकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा था। पीएम ने जवाहर लाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक पर काफी हमला बोला था। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर भी तंज कसा था। अब कांग्रेस की ओर से सांसद राहुल गांधी ने भी पीएम मोदी पर पलटवार किया है। सोशल साइट पर लिखते हुए राहुल ने कहा कि चुनावी मंच हो या संसद, प्रधानमंत्री का हर भाषण सिर्फ 'झूठ का अंबार' होता है। वह अपने झूठ, अपनी तालियों और अपनी मीडिया के बीच इतने मग्न हो गए हैं कि जनता से जुड़ा हर सवाल उन्हें गुस्सा दिलाता है।

राहुल ने कहा कि क्रोध विकास की नहीं, विनाश की गारंटी है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान ओडिशा में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पोस्टर पर भारत जोड़ो न्याय यात्रा लिखा है। इस पोस्टर में न्याय शब्द इसलिए जोड़ा क्योंकि हिंसा के पीछे, नफरत के पीछे अन्याय है।

भाजपा झूठ फैलाने की गारंटी : खरगे

राज्यसभा में पीएम मोदी के भाषण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि बीजेपी झूठ फैलाने की गारंटी है। इससे पहले राज्यसभा में पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर तंज करते हुए कहा था कि इन लोगों (कांग्रेस) ने अपने युवराज को एक स्टार्टअप बना कर छोड़ दिया। अब वो नॉन स्टार्टर हैं। वो न लिफ्ट हो रहे न लॉन्च हो रहे हैं। इसके अलावा पीएम मोदी ने मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान पर भी तंज कसा जिसमें उन्होंने बीजेपी को 400 सीट मिलने की बात कही थी।

भाजपा के लिए हमारे दरवाजे अब बंद हो चुके हैं: एआईएडीएमके

» पार्टी संगठन सचिव डी. जयकुमार ने कहा- हम नहीं चाहते बीजेपी हमारे पास आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया अन्नाद्रमुक मुनेत्र कड़गम यानी कि एआईएडीएमके ने लोकसभा चुनाव के वास्ते बीजेपी के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया। अन्नाद्रमुक ने कहा कि उसने पहले ही बीजेपी के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि बीजेपी के दरवाजे अन्नाद्रमुक के लिए खुले हैं। शाह की इसी टिप्पणी पर पार्टी के वरिष्ठ नेता डी. जयकुमार ने कहा कि बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने अपनी पार्टी का रुख बता दिया है।

अन्नाद्रमुक के संगठन सचिव जयकुमार ने कहा कि अमित शाह ने कहा है कि उनकी पार्टी के दरवाजे अन्नाद्रमुक के लिए खुले हैं। जहां तक हमारी पार्टी के रुख की बात है, बीजेपी एक समय सहयोगी पार्टी थी। अब यह एक ऐसी पार्टी है जिसका हम खुलकर विरोध करते हैं।

अन्नाद्रमुक नेता ने अन्नामलाई का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि द्रविड़ दिग्गज सीएन अन्नादुरई और अन्नाद्रमुक की पूर्व प्रमुख दिवंगत जे. जयललिता का उन्होंने अनादर किया। उन्होंने कहा कि इतने बड़े नेताओं के खिलाफ अन्नामलाई की आलोचना जारी रही, बावजूद इसके कि उनकी पार्टी ने इसकी कड़ी निंदा की थी। जयकुमार ने कहा कि हम बीजेपी को कैसे स्वीकार कर सकते हैं? पार्टी कार्यकर्ता और लोग बीजेपी के साथ हाथ मिलाने के खिलाफ हैं। जब हमने बीजेपी से अपना नाता तोड़ा था तो पार्टी कार्यकर्ताओं ने राज्यभर में पटाखे फोड़े थे, यह हमारे कार्यकर्ताओं की भावनाओं को दर्शाता है कि वे बीजेपी के साथ कोई गठबंधन नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के इस संकल्प कि बीजेपी के साथ कभी गठबंधन नहीं होगा का राज्यभर में पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों ने स्वागत किया। जहां तक हमारा सवाल है, हमने बीजेपी के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं, भले ही उन्होंने अपना दरवाजा (अन्नाद्रमुक के लिए) खुला रखा हो। हमने बीजेपी के लिए अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं। हम नहीं चाहते कि बीजेपी हमारे पास आए। यह हमारा रुख है। यह पूछे जाने पर कि अगर बीजेपी ने जयललिता के खिलाफ टिप्पणी के लिए अन्नामलाई के खिलाफ कार्रवाई की तो क्या अन्नाद्रमुक अपने रुख पर पुनर्विचार करेगी, जयकुमार ने कहा कि फैसला बदलने का कोई सवाल ही नहीं है।

देश में लोकतंत्र वहीं खत्म हो जाता है जहां जम्मू-कश्मीर शुरू होता: उमर

» बोले- पहाड़ियों को मिले एसटी का दर्जा, पर गुज्जरों और बकरवालों के आरक्षण अधिकारों पर न पड़े असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

घाटी की तरह अब जम्मू में भी घरों में ताला लगा देती है पुलिस

उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि घाटी में पुलिस घरों में ताला लगा देती थी और फिर ऐसी किसी भी बात से इनकार कर देती थी, लेकिन अब जम्मू में भी पुलिस ऐसा ही कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने जम्मू के पार्टी मुख्यालय जाने के लिए भी संबंधित एसडीपीओ की अनुमति लेनी पड़ी। उमर ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र वहीं खत्म हो जाता है जहां जम्मू-कश्मीर शुरू होता है। वे दावा करते हैं कि सब कुछ सामान्य है और फिर वे लोगों पर प्रतिबंध लागू क्यों करते हैं। सरकार ने पहाड़ियों को एसटी में शामिल कर दिया, लेकिन संसद में पारित विधेयक में भी यह उल्लेख नहीं है कि इसे कैसे लागू किया जाएगा।

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला का कहना है कि उनकी पार्टी पहाड़ियों को एसटी (अनुसूचित जाति) का दर्जा दिए जाने का स्वागत करती है, लेकिन इससे गुज्जरों और बकरवालों के आरक्षण अधिकारों पर असर नहीं पड़ना चाहिए।

उमर ने जम्मू में कहा कि मुझे सुंदरबनी (राजोरी) जाने की अनुमति नहीं दी गई, जहां मेरी पार्टी के लोगों ने आज एक सार्वजनिक बैठक आयोजित करने के लिए कड़ी मेहनत की थी। पुलिस ने मेरे घर के दरवाजे बंद कर दिए और मुझे बताया गया कि कानून और व्यवस्था की स्थिति के कारण मैं सुंदरबनी नहीं जा सकता।

'केंद्र ने नहीं दिया मनरेगा का बकाया पैसा'

ममता बनर्जी बोलीं- बंगाल सरकार ने 21 लाख मनरेगा श्रमिकों का धन हस्तांतरित करना शुरू किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल सरकार ने 21 लाख मनरेगा श्रमिकों को धन हस्तांतरित करना शुरू कर दिया है। साथ ही उन्होंने मनरेगा के बकाए को लेकर केंद्र को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने 100 दिनों की योजना के लिए काम किया था उन्हें धन हस्तांतरित किया गया, लेकिन केंद्र सरकार से हमें भुगतान नहीं मिला। उन्होंने कहा कि हमारा करीब 1.16 लाख करोड़ रुपये का बकाया है।

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार के धनराशि जारी न करके बावजूद हमनें 21 लाख मनरेगा श्रमिकों को धन हस्तांतरित करना शुरू किया। प्रशासनिक समीक्षा बैठक के दौरान ममता बनर्जी ने संबोधन में यह बात कही है। हाल ही में राज्य का बकाया जारी करने की मांग को लेकर शहर में 48 घंटे का धरना दिया था। ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार 21 फरवरी तक राज्य के 21 लाख मनरेगा श्रमिकों के बैंक खातों में धनराशि स्थानांतरित कर देगी। ममता ने कहा कि सभी ट्रेनें रद्द होने के बावजूद कार्यकर्ता, सांसद और विधायक नई दिल्ली गए ते। वे बस में वहां पहुंचे थे। इस सिलसिले में मैंने पीएम मोदी से कई बार मुलाकात की थी।

हमें नहीं चाहिए केंद्र की भीख

भाजपा पर हमला बोलते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि हम उनसे न तो भीख मांगना चाहते हैं और न ही उनकी भीख चाहते हैं। हम 21 फरवरी तक उन 21 लाख श्रमिकों के बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करेंगे, जिन्हें 100 दिन काम करने के बाद केंद्र सरकार से पैसा नहीं मिला। लेकिन यह मेरा पहला कदम है। हम उनको श्रमिकों को राहत देंगे।

बुमराह ने रचा इतिहास, टेस्ट में बने नंबर वन गेंदबाज

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले बने पहले भारतीय तेज गेंदबाज

» आर. अश्विन को पछाड़कर हासिल किया शीर्ष स्थान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टेस्ट में नंबर वन गेंदबाज बनने वाले चौथे भारतीय

जसप्रीत बुमराह आईसीसी की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने वाले भारत के पहले तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले भारत के तेज गेंदबाज कपिल देव टेस्ट रैंकिंग में नंबर-2 तक पहुंचे थे। कपिल देव दिसंबर 1979 से फरवरी 1980 तक दूसरे नंबर पर रहे। भारतीय तेज गेंदबाजों में बुमराह के अलावा जहीर खान भी अक्टूबर-नवंबर 2010 के दौरान नंबर-3 पर रहे थे। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में बुमराह टॉप पर पहुंचने वाले भारत के चौथे खिलाड़ी है। इससे पहले बिशन सिंह बेदी, अश्विन और रवींद्र जडेजा रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहे हैं। बुमराह के अब 881 रेटिंग अंक हैं, जबकि अश्विन (904) और जडेजा (899) भारत के वैसे गेंदबाज हैं, जिन्होंने अधिक रेटिंग अंक जुटाए हैं। अश्विन और जडेजा मार्च 2017 में संयुक्त रूप से शीर्ष पर थे।

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद जसप्रीत बुमराह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए। बुमराह पहली बार टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे हैं। इससे पहले वह टेस्ट रैंकिंग में तीसरे पायदान से ऊपर नहीं पहुंचे थे। बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले भारत के चौथे खिलाड़ी है।

बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में 91 रन देकर 9 विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के कारण ही जसप्रीत बुमराह की रैंकिंग में बदलाव देखने को मिला। बुमराह ने इस रैंकिंग में अश्विन की जगह ली, जो पिछले 11 महीने से इस सूची में शीर्ष पर थे।

टेस्ट मैच में 499 विकेट लेने वाले अश्विन तीसरे स्थान पर खिसक गए। वहीं, नंबर 2 पर साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा काबिज हैं।

अब एलडीएफ और डीएमके ने मोदी सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

» आर्थिक भेदभाव करने पर केंद्र सरकार के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार पर लगातार विपक्षी दलों की राज्य सरकारों के साथ भेदभाव व नाइंसाफी करने के आरोप विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे हैं। इसको लेकर विपक्षी दलों की राज्य सरकारें मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी कर रही हैं। केंद्र सरकार पर लगातार आर्थिक अत्याचार और नाइंसाफी के आरोप लगाए जा रहे हैं।

पमि बंगाल और कर्नाटक के बाद अब आज केरल की वाम मोर्चा और तमिलनाडु की डीएमके सरकार भी केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं। एक दिन पहले जहां कर्नाटक सरकार ने दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं आज केरल की वाम मोर्चा और तमिलनाडु की डीएमके अपने-अपने राज्यों को धन आवंटन में कथित लापरवाही और पक्षपात को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार के खिलाफ अलग-अलग प्रदर्शन कर रही हैं। प्रदर्शन में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान सिंह भी पहुंचे हैं।

» केरल और तमिलनाडु सरकार ने केंद्र पर राज्यों की अनदेखी के लगाए आरोप

हम कुछ मदद लेना चाहते हैं : कदन्नापल्ली रामचंद्रन

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पार्टी नेताओं के साथ जंतर-मंतर पर वित्तीय अन्याय को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान केरल के मंत्री कदन्नापल्ली रामचंद्रन ने कहा कि केंद्र सरकार की गतिविधियों के कारण वे संविधान बनाए रखने के पक्ष में नहीं हैं। जहां तक संविधान का सवाल है, हम कुछ मदद लेना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में एलडीएफ के विरोध प्रदर्शन को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन का समर्थन मिला है। वाम मोर्चा के मंत्री, विधायक और सांसदों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया है।

सरकार के भेदभावपूर्ण रवैये ने हमें विरोध करने पर किया मजबूर: विजयन

विजयन ने बुधवार को कहा था कि केंद्र दक्षिणी राज्य को अपने इतिहास के सबसे खराब वित्तीय संकट की ओर धकेल रही है। केरल के साथ केंद्र के भेदभाव और उसके परिणामस्वरूप वित्तीय संकट ने राज्य को विरोध का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर किया है। वहीं डीएमके सांसद एवं पार्टी के संसदीय दल के नेता बालू ने कहा कि कांग्रेस सहित गठबंधन दलों के सांसदों से राष्ट्रीय राजधानी में शामिल होने का आग्रह किया गया है। डीएमके का कहना है कि अंतरिम बजट में चक्रवात, बारिश और बाढ़ के बाद लगभग 37,000 करोड़ रुपये की राहत की मांग करने वाले तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व पर कोई घोषणा नहीं की गई थी। इसके अलावा, मदुरै में एम्स की स्थापना समेत तमिलनाडु की विकास परियोजनाओं के लिए कोष आवंटन को लेकर भी अंतरिम बजट में कोई घोषणा नहीं की गई थी।

पीएम मोदी ओबीसी नहीं उनका जन्म सामान्य जाति में हुआ : राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले- गुजरात की तेली जाति में हुआ प्रधानमंत्री का जन्म

» भाजपा कभी नहीं करा सकती जाति जनगणना

ओडिशा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आजकल भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। मणिपुर से शुरू होकर मुंबई तक जाने वाली ये यात्रा वर्तमान समय में ओडिशा में हैं। इस दौरान ओडिशा राज्य के एक हिस्से में लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर जमकर निशाना साधा।

राहुल ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी का जन्म ओबीसी वर्ग में नहीं हुआ था। पीएम मोदी इतने सालों से सिर्फ झूठ बोल रहे हैं कि वे ओबीसी हैं। लेकिन असल में वो ओबीसी नहीं हैं। वो गुजरात की तेली जाति में पैदा हुए थे। इस समुदाय को बीजेपी ने साल 2000 में ओबीसी का टैग दिया था। यानी उनका जन्म सामान्य जाति में हुआ था। लेकिन इतने सालों से आपको लोगों को सिर्फ बेवकूफ बनाया जा रहा है और आप लोगों से झूठ बोला जा रहा है।

कांग्रेस कराएगी जाति जनगणना

मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा कि ओबीसी न होने के कारण पीएम मोदी कभी जातीय जनगणना नहीं होने देंगे क्योंकि उनका जन्म ओबीसी में नहीं हुआ, उनका जन्म सामान्य जाति में हुआ है। राहुल ने कहा कि आपने कभी नहीं देखा होगा कि मोदी जी ने कभी किसी ओबीसी को गले लगाया हो। पीएम मोदी किसी ओबीसी से गले नहीं मिलते, वो किसी किसान का हाथ नहीं पकड़ते। वो किसी मजदूर का हाथ नहीं पकड़ते। इसलिए ये पूरी जिंदगी में जाति जनगणना नहीं करेंगे। जाति जनगणना सिर्फ कांग्रेस ही करा सकती है और कांग्रेस सत्ता में आने पर जाति जनगणना जरूर कराएगी।

करोड़ों का सूट पहनते हैं पीएम

पीएम को निशाने पर लेते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैंने जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय की बात की तो पीएम मोदी ने कहा कि देश में सिर्फ दो जातियां हैं। एक अमीर और एक गरीब। तो अगर दो ही जातियां तो प्रधानमंत्री खुद किस जाति के हैं? अगर दो जातियां हैं तो आप क्या हैं? क्योंकि गरीब तो आप हैं नहीं। आप करोड़ों का सूट पहनते हैं। दिन में कई बार कपड़े बदलते हैं। अगर सिर्फ दो ही जातियां हैं तो फिर आप कहां से ओबीसी से हो गए? आप सिर्फ और सिर्फ झूठ बोलते हैं कि आप ओबीसी वर्ग के हैं।

बाबा सिद्दीकी ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

» महाराष्ट्र की पूर्ववर्ती सरकार में रह चुके हैं मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लोकसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र में कांग्रेस को मिलिंद देवड़ा के बाद अब एक और बड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। बाबा सिद्दीकी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर बताया कि उन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

बाबा सिद्दीकी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा मैं किशोरावस्था में कांग्रेस से जुड़ा था और बीते 48 साल की यह यात्रा बेहद अहम रही। आज मैं तुरंत प्रभाव से कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं बहुत कुछ कहना चाहता हूं, लेकिन जैसा कहा जाता है कि कुछ बातें अनकही रहें तो अच्छा है।

अजित पवार की एनसीपी में हो सकते हैं शामिल

लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका है। इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा ने भी कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। बाबा सिद्दीकी मुंबई की बांद्रा ईस्ट सीट से पूर्व विधायक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा जा रहा है कि वे अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल हो सकते हैं।

ईडी भाजपा सरकार का नया हथियार : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ईडी अब इनका एक नया हथियार है।

अभी तक इस देश में कानून होता था कि किसी व्यक्ति पर दोष साबित होने के बाद ही उसे जेल भेजा जाता था, लेकिन अभी उन्होंने (बीजेपी) तय कर लिया है कि किसे जेल भेजना है तो उसे पकड़ लेते हैं और वो तब तक जेल में रहता है जब तक वह निर्दोष साबित नहीं होता। अभी उन्होंने हेमंत सोरेन को जेल में डाल दिया है जबकि अभी तक कुछ भी साबित नहीं हुआ है। कल वो मुझे भी जेल में डाल सकते हैं, केरल सीएम विजयन, स्टालिन साहब या सिद्धारमैया को भी जेल में डालकर सरकार गिरा देंगे। केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार सारे विपक्ष को प्रताड़ित करने के लिए सारे हथकंडे अपना रही है। केंद्र सरकार विपक्ष की सरकारों को जायज फंड नहीं दे रही है जो उनका हक है।

दिल्ली मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म की गिरी दीवार

गोकुलपुरी हादसे में एक की मौत और दो लोगों के घायल होने की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आज गोकुलपुरी इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया। गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म की साइड वॉल का एक हिस्सा गिर गया। जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत की आशंका भी जताई जा रही है, जबकि मलबे में दबकर दो लोगों के घायल होने की बात सामने आ रही है। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। सड़क को बंद कर दिया गया है। दुर्घटना के बाद से इस लाइन में मेट्रो ट्रेन को फिलहाल सिंगल लाइन से संचालित किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि सुबह करीब 11 बजे गोकलपुरी मेट्रो स्टेशन की चारदीवारी (पूर्वी तरफ) का एक हिस्सा नीचे सड़क पर गिर गया। एक व्यक्ति मलबे में फंस गया और गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि अन्य को मामूली चोटें आईं।

पुलिस कर्मियों ने कुछ लोगों की मदद से मलबे में फंसे व्यक्ति को बाहर निकाला। जो घटना के वक्त अपनी स्कूटी पर सवार था। घायलों को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है।

मलवे को हटाया जा रहा

घायल लोगों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। आगे की जानकारी जुटाई जा रही है। जेसीबी और क्रेन की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस और मेट्रो कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं। इस मामले में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।